Theme: Leadership for Equity, Diversity and Inclusion

Shri Surendra Prasad Gupta

Head Master
PM SHRI Upgraded High School, Mandu, Ramgarh, Jharkhand
Email id: surendraums@gmail.com
Mobile no.: 9835585594

केस-स्टडी का विशय – समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग विद्यार्थियों का भविश्य सृजन

केस-स्टडी का विशय - समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग विद्यार्थियों का भविश्य सृजन बच्चे के पढने का जुनून को हर कोई कर रहा सलाम एंव सार्थक करने वाला पंक्ति श्मन के हारे हार है और मन के जीते जीतश् के साथ अगर हौसला बुलंद है तो विपरीत परिस्थितियों में मुश्किल से मुष्किल मंजिल तक भी पहुँचा जा सकता हैए ये सब कर दिखाया है उत्क्रमित उच्च विद्यालय मनुआ के दिव्यांग छात्र-छात्राओं एंव विद्यालय के नेतृत्व कर्ता सुरेंन्द्र प्रसाद गुप्ता प्रधानाध्यापक एंव विद्यालय परिवार के शिक्षक शक्षिकाओं ने।हर एक विद्यार्थी का कहानी और संघर्श गाथा अलग-अलग है, लेकिन लक्ष्य सबका एक है दिव्यांगता को मात देकर पढाई करना

1. दिव्यांग छात्रा सानिया बेबी का संघर्श गाथा एंव भविश्य सृजन पहला संर्घश कहानी 10 वर्शा से पढ़ती आ रही दिव्यांग छात्रा सानिया बेबी जिनके पिता- मो0 नसीम अंसारी ने अप्रैल 2014 में वर्ग 1 में विद्यालय में नामांकन कराया था। सानिया बेबी का दिव्यांगता का प्रकार काफी कश्ट दायक था एक आँख से पूर्ण दिव्यांग चेहरा में त्वचा संबंधित गंभीर बीमारी माइग्रेन की समस्या सूर्य के रोषनी के विकिरण एंव तीखा गर्मी से आँख एंव चेहरा लाल हो जाना एंव दिखाई नही पड़ना साथ ही मृगी का दौरा बेहोशी का आ जाना शरीर हाथ काँपना एंव कुछ खाद्य पदार्थ केला कोहडा के प्रति एलर्जी जैसा समस्या से घिरी हुई थी। पढ़ाई में समस्या अनेक थी। विद्यालय का उद्देश्य था कि सानिया बेबी का विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कराना इसके लिए विद्यालय प्रधानाध्यापक स्वयं इनके माता पिता एंव डॉक्टर से मिलकर अस्पताल में इलाज करवाया गया साथ ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र दिलाकर विद्यालय से जोडकर सभी शिक्षक एंव शिक्षिकाओं के सहयोग से इनकी पढाई को विद्यालय में जारी रखा गया। एन ई पी 2020 के तहत समावेषी षिक्षा के साथ रिर्सोस शिक्षिका के द्वारा अन्य वितीय लाभ से जोडा गया है। समय - समय पर प्रधानाध्यापक इनके घर हौसला अफजाई के लिए पर्व त्योहर में सरीक होते रहते है। अभी वर्तमान में वर्ग 10 में पढाई कर रही है एंव फरवरी 2025 में मैट्रिक का परीक्षा लिखेगी जो मुश्किल चुनौती का सामना करते हुए सानिया बेबी सफलता की ओर बढ़ रही है भविश्य में सानिया बेबी नर्स बनना चहती है नर्स बनकर मानव सेवा करना चाहती है जो एक सफलता की सोपान है।

2. दिव्यांग छात्र पप्पू कुमार चंद्रवंशी पिता श्री संजय चंद्रवंशी का संघर्श गाथा और भविश्य सृजन दिव्यांग छात्र पप्पू कुमार चंद्रवंशी का नामांकन जुलाई 2024 मं वर्ग 9 में कराया गया उक्त छात्र के माता पिता बच्चों का पढाई जारी रखना चहते है लेकिन पप्पू कुमार चलने फिरने में नित्य क्रिया करने में पूर्ण रूप से अक्षम है कमर में बचपन से पैरालाइसिस से ग्रसित पप्पू कुमार कठिन जीवन जी रहा है। प्रधानाध्यापक उनके घर जाकर समावेशी शिक्षा के तहत नामांकन दिव्यांगता प्रमाण पत्र अस्पताल से बनवाकर विद्यालय से जोड दिए इन्हे समावेशी शिक्षा के तहत अन्य वितीय लाभ 10 000 दस हजार रूपया) और प्रखण्ड से शिक्षा विभाग की और से ट्राई साईकिल दिला कर हौसला अफजाई किए समय-समय पर विद्यालय गतिविधियों जैसे परीक्षा वर्ग में पढाई के लिए शामिल करवाया जा रहा है जो पप्पू कुमार को आगे बढ़ने में विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिका और विद्यार्थी मदद कर रहे है। वर्तमान में जैक 2025 में 9 वर्ग में रजिस्ट्रेशन कराया गया है। साथ ही फरवरी 2026 में मैट्रिक का परीक्षा लिखेगा। प्रधानाध्यापक एंव विद्यालय परिवार के शिक्षक शिक्षिका उनके घर जाकर पढाई में मदद के साथ पुस्तकए कापी कीट सामग्री एंव अन्य लाभ भी दिला रहे है। पप्पू कुमार को आगे बढ़ने के लिए उनके माता पिता के साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिल से

सहयोग कर रहे है एंव दिव्यांगता को शिक्षा के बाधा में मात दे रहे है। जो सफलता की कहानी है यह एक प्रेरक केस स्टडी पूरे शिक्षा जगत के लिए अनुकरणीय है।

हरिवंश राय बच्चन का कहावत हैः-

लहरो से डरकर नौका पार नही होती।

कोशिश करने वालों की कभी हार नही होती।।

3. सिकल एनेमिया से ग्रसीत तीन दिव्यांग छात्र-छात्रा का भविश्य सृजन सिकल एनेमिया से ग्रसित छात्र इमरान अंसारी पिता- शाहजहाँ अंसारी वर्ग 10 सोनु कुमार पिता- मुकेश प्रजापति वर्ग 8 एंव अफरीना प्रवीन पिता मो सौकत अंसारी वर्ग 3 की कहानी एंव संघर्श गाथा बेहद चिंता जनक एंव पढाई में बाधा उत्पन्न कर दिया था लेकिन विद्यालय परिवार के शिक्षक एंव प्रधानाध्यापक को यह बात मालूम हुई की तीन बच्चे विद्यालय में प्रयास कार्यक्रम के तहत अनुपस्थित रह रहे है तब प्रधानाध्यापक तीनों बच्चों के घर जाकर इनके माता-पिता से मिलकर समस्या समाधान एंव पढाई जारी रखने का बीडा उठाया एंव हौसला अफजाई किए सर्वप्रथम इन्हे अस्पताल में ले जाकर प्राइवेट एंव सरकारी डॉक्टरो से ईलाज कराने में मदद किया झारखण्ड के रामगढ़ राँची एंव सी एम सी वैल्लौर में ईलाज करने के लिए भेजा रिपोर्ट के आधार पर दिव्यांगता

प्रमाण पत्र एंव आयुशमान कार्ड के तहत लाभ दिलाया गया। इन्हे प्रखण्ड द्वारा समावेशी शिक्षा के तहत 10000 दस हजार रूपये) की राशि एंव एस्कोर्ट व्यय के लाभ से जोडा गया। वर्तमान में समावेशी शिक्षा के तहत इन बच्चों का पठन-पाठन के लिए विद्यालय परिवार के शिक्षक - शिक्षिकाएँ एंव प्रधानाध्यापक मदद कर रहे है एंव हौसला अफजाई करते हुए इनकी पढाई को जारी रखे हुए है। इन बच्चों का ईलाज जोखिम भरा एंव काफी महंगा है इनके ईलाज के लिए प्रत्येक तीन माह में खुन चढाना पडता है एंव जीवन भर दर्द की दवा और विटामिन की गोली का सेवन डॉक्टरो के द्वारा दिया गया है। पूर्ण रूप से ईलाज के लिए स्टेम सेल एंव अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण की सलाह डाक्टरो ने दिया है। जिसका खर्च भारत में 30 से 40 लाख रूपये एंव विदेष में 75 लाख रूपये है। जो इन गरीब बच्चों के लिए नामुमकिन है लेकिन जबतक जीवन है इन्हे खून चढाना एंव दवा समय - समय पर लेना है। इन बीमार ग्रस्त बच्चों को हौसला अफजाई करते हुए विद्यालय में समावेशी शिक्षा के साथ जोडकर पढाई जारी रखा गया है। जो एक सफलता की कहानी है विभिन्न प्रकार के दिव्यांग छात्र-छात्रा का एक साथ भविश्य सृजन कंचन कुमारी पिता- रेखन मुण्डाए वर्ग- 8 बोलने में लाचार आठ वर्शो से विद्यालय में जुडकर समावेशी शिक्षा के साथ-साथ एन0 ई0 पी0 2020 के तहत अघ्ययनरत है। शाहिद अंसारी वर्ग- 6 बोलने में दिव्यांग विगत एक वर्श से विद्यालय में समावेशी शिक्षा के तहत अध्ययनरत है
मुन्नी कुमारी। वर्ग- 1 पिता- स्व0 राजेन्द्र बेदियाए माता- सबिता देवी को समावेशी शिक्षा के तहत जोडकर विद्यालय में शिक्षा दिया जा रहा है।

सुमैया प्रवीन वर्ग- 1 पिता- सलमान ईराकी को समावेशी शिक्षा के तहत जोडकर विद्यालय में शिक्षा दिया जा रहा है।

मुन्नी कुमारी एंव सुमैया प्रवीन को ट्राय साईकिल 10000 दस हजार रूपये) की राशि स्कोर्ट व्यय के लाभ से जोड दिया गया थें।

विद्यालय में नवीन पद्धतियाँ एंव दिव्यांग बच्चों के लिए अपनाई गई रणनीति

विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए दिव्यांग शौचालय स्लोपिंग सीढी ट्राय साईकिल विश्राम कक्षा बनाया गया है। दिव्यांग बच्चों के लिए विद्यालय सक्षम साबित हो रहा है।

दृश्य परिणाम

इस प्रकार पी एम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय मनुवा में विभिन्न प्रकार के दिव्यांग बच्चों का विगत 15 वर्शा से चुनौती पूर्ण सामना करते हुए प्रधानाध्यापक एंव विद्यालय परिवार के साथ भविश्य सृजन किया जा रहा है जो एन0 ई0 पी0 2020 समतामूलक और समावेशी शिक्षा सभी के लिए अधिगम विद्यालय नेतृत्व की सफलता की गाथा का सकारात्मक परिणाम है। पी एम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय मनुवा में दिव्यांग बच्चों का समावेशी शिक्षा के तहत भविश्य सृजन शिक्षा जगत के लिए अनुकरणीय है।